Original Article
ISSN (Online): 2582-7472

ShodhKosh: Journal of Visual and Performing Arts
July 2024 5(7), 935–939

STUDY OF THE INFLUENCE OF FAMILY ENVIRONMENT ON THE ACADEMIC ACHIEVEMENT OF STUDENTS STUDYING AT SECONDARY LEVEL

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन

Savita [1], Dr. Bindu Singh [2]

[1] Researcher, School of Education and Humanities, IFTM University, Moradabad- 244102
[2] Assistant Professor, School of Education and Humanities, IFTM University, Moradabad- 244102

ABSTRACT

English: Family, which is the first social institution in a child's life, plays a vital role in his education and personality development. Family environment refers to the mental, social and emotional environment that family members share with each other. It includes the behaviour of parents, their level of education, economic status, influence of family values and traditions. All these factors directly or indirectly affect a student's educational achievement. Parents' education and awareness play a major role in family environment. Educated parents not only understand the educational needs of their children but also provide them with proper guidance. They encourage children to study, create a conducive study environment for them and help them resolve difficulties. In contrast, uneducated or less educated parents are not able to provide that level of support in their children's educational life. Economic status is also a major factor in family environment. Children in families with high economic status get opportunities such as books, technical resources and tuition, which help in improving their educational achievement. At the same time, in economically weak families, children sometimes have to contribute to household chores or employment along with studies, which affects their studies. Apart from this, family structure also affects educational achievement. Children in joint families get social support, but sometimes it may be difficult to focus on their studies due to family responsibilities and limited resources. At the same time, in nuclear families, children's studies can be positively affected due to more personal attention from parents. However, stress or separation between parents can have a negative impact on children's educational achievement. Family values and discipline also have an important impact. In a family where education is given priority and time management and discipline are promoted, children perform better. At the same time, children's attention may be diverted from studies in a stressful or neglectful family environment. Thus, it is clear that family environment is the fundamental pillar of students' educational achievement. A healthy and positive family environment not only improves children's educational performance, but also helps in their overall personality development. That's why parents must create an environment for their children that motivates them to learn, think and achieve their goals.

Hindi: परिवार, जो एक बालक के जीवन का पहला सामाजिक संस्थान होता है, उसकी शिक्षा और व्यक्तित्व विकास में अहम भूमिका निभाता है। पारिवारिक वातावरण का आशय उस मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक माहौल से है, जो परिवार के सदस्य एक-दूसरे के साथ साझा करते हैं। इसमें माता-पिता का व्यवहार, उनकी शिक्षा का स्तर, आर्थिक स्थिति, पारिवारिक मूल्यों और परंपराओं का प्रभाव शामिल है। ये सभी कारक एक विद्यार्थी की शैक्षिक उपलब्धि को सीधे या परोक्ष रूप से प्रभावित करते हैं।पारिवारिक वातावरण में माता-पिता की शिक्षा और जागरूकता एक प्रमुख भूमिका निभाती है। शिक्षित माता-पिता न केवल अपने बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं को समझते हैं, बल्कि उन्हें उचित मार्गदर्शन भी प्रदान करते हैं। वे बच्चों को अध्ययन के लिए प्रोत्साहित करते हैं, उनके लिए अध्ययन का अनुकूल वातावरण तैयार करते हैं और कठिनाइयों का समाधान

DOI
10.29121/shodhkosh.v5.i7.2024.4710

Funding: This research received no specific grant from any funding agency in the public, commercial, or not-for-profit sectors.

Copyright: © 2024 The Author(s). This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

With the license CC-BY, authors retain the copyright, allowing anyone to download, reuse, re-print, modify, distribute, and/or copy their contribution. The work must be properly attributed to its author.

OPEN ACCESS

करने में सहायता करते हैं। इसके विपरीत, अशिक्षित या कम शिक्षित माता-पिता अपने बच्चों के शैक्षिक जीवन में उस स्तर की सहायता प्रदान करने में सक्षम नहीं हो पाते। आर्थिक स्थिति भी पारिवारिक वातावरण का एक प्रमुख कारक है। उच्च आर्थिक स्थिति वाले परिवारों में बच्चों को किताबें, तकनीकी संसाधन और ट्यूशन जैसे अवसर मिलते हैं, जो उनकी शैक्षिक उपलब्धि को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। वहीं, आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों में बच्चों को कभी-कभी पढ़ाई के साथ-साथ घरेलू कार्यों या रोजगार में भी योगदान देना पड़ता है, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है। इसके अलावा, पारिवारिक संरचना भी शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करती है। संयुक्त परिवारों में बच्चों को सामाजिक समर्थन मिलता है, लेकिन कभी-कभी पारिवारिक जिम्मेदारियों और सीमित संसाधनों के कारण उनकी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करना कठिन हो सकता है। वहीं, एकल परिवारों में माता-पिता का अधिक व्यक्तिगत ध्यान मिलने के कारण बच्चों की पढ़ाई पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि, माता-पिता के बीच तनाव या अलगाव का नकारात्मक प्रभाव बच्चों की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ सकता है। पारिवारिक मूल्यों और अनुशासन का भी महत्वपूर्ण प्रभाव होता है। एक ऐसा परिवार जहां शिक्षा को प्राथमिकता दी जाती है और समय प्रबंधन व अनुशासन को बढ़ावा दिया जाता है, वहां बच्चे बेहतर प्रदर्शन करते हैं। वहीं, तनावपूर्ण या उपेक्षित पारिवारिक वातावरण में बच्चों का ध्यान अध्ययन से भटक सकता है। इस प्रकार, यह स्पष्ट होता है कि पारिवारिक वातावरण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का आधारभूत स्तंभ है। एक स्वस्थ और सकारात्मक पारिवारिक वातावरण न केवल बच्चों के शैक्षिक प्रदर्शन को सुधारता है, बल्कि उनके समग्र व्यक्तित्व विकास में भी मदद करता है। इसीलिए, माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों के लिए एक ऐसा माहौल तैयार करें, जो उन्हें सीखने, सोचने और अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित करे।

Keywords: Students Studying at Secondary Level, Academic Achievement, Family Environment, माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थी, शैक्षिक उपलब्धि, पारिवारिक वातावरण

प्रस्तावना

पारिवारिक वातावरण का प्रभाव किसी भी विद्यार्थी के जीवन और उनकी शैक्षिक प्रगति में अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है। विशेष रूप से माध्यमिक स्तर पर, जब विद्यार्थी किशोरावस्था में प्रवेश करते हैं, उनके मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास के लिए यह समय बहुत संवेदनशील होता है। इस अवस्था में, विद्यार्थी अपनी शैक्षिक उपलब्धियों और व्यक्तित्व निर्माण के लिए पारिवारिक समर्थन पर काफी निर्भर रहते हैं। पारिवारिक वातावरण के विभिन्न पहलूजैसे माता-पिता का व्यवहार, पारस्परिक संबंध, आर्थिक स्थिति, और शिक्षा के प्रति दृष्टिकोणविद्यार्थियों की शैक्षिक सफलता को गहराई से प्रभावित करते हैं।पारिवारिक वातावरण का मतलब केवल भौतिक संसाधनों की उपलब्धता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें माता-पिता का दृष्टिकोण, भावनात्मक समर्थन, और पारिवारिक अनुशासन जैसे पहलू भी शामिल होते हैं। माता-पिता की शैक्षिक योग्यता और उनके द्वारा शिक्षा को दिए जाने वाले महत्व का सीधा प्रभाव बच्चों की पढ़ाई पर पड़ता है। शिक्षित माता-पिता आमतौर पर बच्चों की पढ़ाई में अधिक रुचि लेते हैं और उनकी समस्याओं को समझने में सक्षम होते हैं।आर्थिक स्थिति परिवार के जीवनस्तर और विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए गए शैक्षिक संसाधनों को प्रभावित करती है। एक स्थिर आर्थिक स्थिति वाले परिवारों में बच्चे बेहतर शैक्षिक सुविधाओं, जैसे ट्यूशन, तकनीकी उपकरण, और पुस्तकालय जैसी सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।परिवार में माता-पिता और बच्चों के बीच खुला और सकारात्मक संवाद बच्चों को प्रोत्साहित करता है। यदि परिवार में आपसी समझ और सहयोग हो, तो विद्यार्थी अपने लक्ष्य के प्रति अधिक केंद्रित रहते हैं।अनुशासन और नैतिकता बच्चों के व्यक्तित्व और शैक्षिक उपलब्धियों को दिशा देते हैं। माता-पिता द्वारा निर्धारित नियम और अपेक्षाएं बच्चों में समय प्रबंधन और जिम्मेदारी की भावना विकसित करती हैं।जब विद्यार्थी किसी समस्या का सामना करते हैं, तो माता-पिता और परिवार का भावनात्मक समर्थन उन्हें मानसिक स्थिरता प्रदान करता है। यह समर्थन बच्चों को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाता है।

शैक्षिक उपलब्धि पर सकारात्मक पारिवारिक वातावरण का प्रभाव

एक सकारात्मक और प्रोत्साहन देने वाला पारिवारिक वातावरण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों को बढ़ावा देता है। जब माता-पिता अपने बच्चों को शिक्षा के महत्व के बारे में बताते हैं और उन्हें अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं, तो बच्चे अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित होते हैं। उदाहरण के लिए, यदि माता-पिता बच्चों के साथ बैठकर उनकी पढ़ाई में मदद करते हैं, तो बच्चे खुद को अधिक समर्थ महसूस करते हैं।एक सुव्यवस्थित पारिवारिक वातावरण बच्चों को समय प्रबंधन और अनुशासन सिखाता है। यह उनके शैक्षिक प्रदर्शन को बेहतर बनाता है।माता-पिता द्वारा बच्चों की छोटी-छोटी उपलब्धियों की सराहना बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाती है और उन्हें और अधिक प्रयास करने के लिए प्रेरित करती है।आर्थिक रूप से स्थिर परिवार अपने बच्चों को बेहतर स्कूल, निजी ट्यूशन, और डिजिटल उपकरण प्रदान कर सकते हैं, जो उनकी शैक्षिक प्रगति में सहायक होते हैं।सकारात्मक पारिवारिक वातावरण बच्चों में अध्ययन की आदतें और जिम्मेदारी की भावना विकसित करता है।

शैक्षिक उपलब्धि पर नकारात्मक पारिवारिक वातावरण का प्रभाव

जहां सकारात्मक वातावरण शैक्षिक प्रगति को प्रोत्साहित करता है, वहीं नकारात्मक पारिवारिक माहौल विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षिक उपलब्धियों को बाधित कर सकता है। पारिवारिक कलह, आर्थिक तंगी, या माता-पिता के बीच आपसी असहमति बच्चों में मानसिक तनाव उत्पन्न करती है। यह तनाव उनकी एकाग्रता और शैक्षिक प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।जब माता-पिता बच्चों की पढ़ाई में रुचि नहीं लेते या उन्हें पर्याप्त समय नहीं देते, तो बच्चे पढ़ाई के प्रति उदासीन हो सकते हैं।परिवार में अनुशासनहीनता या नकारात्मक आदतें बच्चों पर बुरा असर डाल सकती हैं। उदाहरण के लिए, यदि परिवार में पढ़ाई के बजाय अन्य गतिविधियों को अधिक महत्व दिया जाता है, तो बच्चों का ध्यान भटक सकता है।आर्थिक समस्याएं बच्चों की शिक्षा में बाधा उत्पन्न कर सकती हैं। जैसे, फीस न चुका पाना, आवश्यक पाठ्य सामग्रियों की कमी, या ट्यूशन की अनुपलब्धता।भावनात्मक समर्थन की कमी बच्चों में आत्मविश्वास की कमी और असुरक्षा की भावना उत्पन्न कर सकती है।

किशोरावस्था और पारिवारिक वातावरण

माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थी किशोरावस्था में होते हैं, जो उनके जीवन का एक संक्रमणकालीन दौर है। इस समय, शारीरिक, मानसिक, और भावनात्मक परिवर्तन उन्हें अधिक संवेदनशील बनाते हैं। भावनात्मक स्थिरता में, बच्चे तेजी से बदलते विचारों और भावनाओं का सामना करते हैं। माता-पिता और परिवार का समर्थन उन्हें स्थिरता प्रदान करता है।किशोरावस्था में बच्चे अधिक स्वतंत्रता चाहते हैं। इस समय, माता-पिता को अनुशासन और स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाना चाहिए ताकि बच्चे अपने निर्णय लेने की क्षमता विकसित कर सकें।परिवार को बच्चों के शैक्षिक और व्यक्तिगत जीवन में मार्गदर्शक की भूमिका निभानी चाहिए। सकारात्मक मार्गदर्शन उन्हें सही दिशा में ले जाता है।

माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों पर पारिवारिक वातावरण का प्रभाव अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक सकारात्मक और सहायक पारिवारिक माहौल न केवल बच्चों की पढ़ाई में मदद करता है बल्कि उनके व्यक्तित्व और भविष्य को भी आकार देता है। इस स्तर पर, माता-पिता और परिवार का ध्यान बच्चों की शैक्षिक, मानसिक, और भावनात्मक आवश्यकताओं पर होना चाहिए। जब परिवार अपनी भूमिका को समझते हुए बच्चों का सहयोग करता है, तो न केवल उनकी शैक्षिक उपलब्धि बढ़ती है, बल्कि वे एक बेहतर इंसान भी बनते हैं।

अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व

माध्यमिक शिक्षा किसी भी विद्यार्थी के जीवन का ऐसा चरण है, जहाँ वह न केवल अपने शैक्षिक जीवन की नींव रखता है, बल्कि उसका मानसिक, शारीरिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास भी तेजी से होता है। इस स्तर पर पारिवारिक वातावरण विद्यार्थियों के शैक्षिक प्रदर्शन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। पारिवारिक वातावरण में माता-पिता का शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण, उनके आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक स्तर, अनुशासन की प्रकृति, बच्चों के प्रति प्रेम और प्रोत्साहन, तथा घर में उपलब्ध संसाधन शामिल होते हैं। पारिवारिक वातावरण और विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के बीच के संबंध को समझने के लिए इस विषय पर अध्ययन आवश्यक है। यह अध्ययन यह समझने में मदद करता है कि कैसे परिवार का सकारात्मक या नकारात्मक वातावरण विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास, और शैक्षिक प्रदर्शन को प्रभावित करता है। आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में विद्यार्थियों पर अच्छे प्रदर्शन का दबाव बढ़ता जा रहा है। यदि पारिवारिक वातावरण सहयोगी और प्रोत्साहनपूर्ण हो, तो विद्यार्थी इस दबाव को संभालने में सक्षम हो सकते हैं। इसके विपरीत, तनावपूर्ण या अस्थिर पारिवारिक वातावरण शैक्षिक प्रदर्शन को बाधित कर सकता है। माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण का प्रभाव गहन और बहुआयामी होता है। यह अध्ययन न केवल शैक्षिक प्रणाली में सुधार लाने में मदद करता है, बल्कि बच्चों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए परिवार, विद्यालय और समाज के बीच समन्वय स्थापित करने में भी सहायक होता है। ऐसे अध्ययन से बच्चों को उनके लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता मिलती है और समाज में समग्र विकास और स्थिरता का मार्ग प्रशस्त होता है।

सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन

निम्शर्मा एवं खातुन (2020), सुंदर रानी और आर गीता रेड्डी (2019), रोथेनबर्ग (2018), मोरा (2018), मेराजुल हसन और रुमासरकर (2018),चार्ल्स ग्बोली और हैरियट पर्ल कीमू (2017) आदि प्रमुख है।

समस्या कथन

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन।

आंकड़ा संग्रहण के उपकरण

प्रस्तुत शोध हेतु आंकड़ों के संकलन के लिए माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों से व्यक्तिगत सम्पर्क करके प्रश्नावली के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया गया।

न्यादर्श

वर्तमान शोध हेतु 50 विद्यार्थियों को शामिल किया गया है।

उपकरण

कोई भी अनुसंधान बिना परीक्षण के पूर्ण नही होता। अनुसंधानकर्ता ने प्रस्तुत अनुसंधान के आंॅकड़ों के सकंलन हेतु निम्नलिखित मानकीकृतपरीक्षणों का चयन किया है-

- पारिवारिक वातावरण मापनी - शालू सैनी एवं प्रो0 (डॉ.) परमिन्दर कौर
- शैक्षिक उपलब्धि मापनी – डॉ. ए.के. सिंह एवं डा0(श्रीमति) ए. सेन गुप्ता

अध्ययन के उद्देश्य

1. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरतछात्रोंकी शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन।
2. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरतछात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन।

अध्ययन की परिकल्पनाऐं

1. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरतछात्रों की शैक्षिक उपलब्धि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध पाया जाता है।
2. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरतछात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध पाया जाता है।

परिकल्पनाओं का विश्लेषण एवं व्याख्या

तालिका संख्या -1

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि एवं पारिवारिक वातावरणके मध्य सहसम्बन्धकी स्थिति एवं व्याख्या

चर	छात्र संख्या	सहसम्बन्ध	सहसबन्ध स्तर
पारिवारिक वातावरण	25	0.052	धनात्मक
शैक्षिक उपलब्धि			

व्याख्या -तालिका संख्या 1 मेंमाध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध का मान 0.052 प्राप्त हुआ है। प्राप्त सहसम्बन्ध का मान दोनों चरों के मध्य धनात्मकसहसम्बन्ध को स्पष्ट करता है। जिससे पता चलता है कि एक समर्थक परिवार छात्र को उनकी शिक्षा में समर्थन प्रदान कर सकता है। परिवार के सदस्यों का शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण होता है, जिससे छात्र अधिक प्रेरित होते हैं, पारिवारिक वित्तीय स्थिति छात्र की शिक्षा को प्रभावित कर सकती है। यदि परिवार वित्तीय समस्याओं का सामना कर रहा है, तो इससे छात्र की शिक्षा पर दबाव पड़ सकता है, परिवार का शिक्षा के महत्व को समझना और अपने बच्चों के शैक्षिक प्रयासों को समर्थन देना भी महत्वपूर्ण है, पारिवारिक संवाद और समर्थन छात्रों को उनकी शैक्षिक यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, एक सकारात्मक और शिक्षा को प्राथमिकता देने वाला पारिवारिक माहौल छात्र के लिए महत्वपूर्ण है, पारिवारिक माहौल छात्र की स्वाध्याय की आदतों को प्रभावित कर सकता है, पारिवारिक स्थितियां और मानसिक स्वास्थ्य भी छात्र की शिक्षा पर प्रभाव डाल सकते हैं।

तालिका संख्या -2

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध की स्थिति एवं व्याख्या

चर	छात्राओं की संख्या	सहसम्बन्ध	सहसबन्ध स्तर
पारिवारिक वातावरण	25	0.034	धनात्मक
शैक्षिक उपलब्धि			

व्याख्या -तालिका संख्या 2 मेंमाध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध का मान 0.034 प्राप्त हुआ है। प्राप्त सहसम्बन्ध का मान दोनों चरों के मध्य धनात्मकसहसम्बन्ध को स्पष्ट करता है। जिससे पता चलता है कि छात्राओं के पारिवारिक सदस्यों का उनके शैक्षिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी का होना उनके लिए महत्वपूर्ण होता है। यदि परिवार उन्हें शैक्षिक उत्साह और समर्थन प्रदान करता है, तो छात्र अधिक सफलता प्राप्त कर सकते हैं, पारिवारिक सदस्यों का शैक्षिक मामलों के बारे में ज्ञान और उनकी मदद करने का ज्ञान भी महत्वपूर्ण होता है। वे छात्रों को उनके पठन, कौशल विकास, और कैरियर के चयन में मार्गदर्शन कर सकते हैं, घर का शैक्षिक माहौल भी अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है। शैक्षिक माहौल में पढ़ाई के लिए सुविधाएं, किताबों की उपलब्धता, और शिक्षा के प्रति पारिवारिक सदस्यों की रुचि भी छात्रों की शैक्षिक प्रगति पर प्रभाव डाल सकती हैं, पारिवारिक आर्थिक स्थिति भी छात्रों की शैक्षिक उपलब्धियों पर प्रभाव डाल सकती है। यदि पारिवारिक स्थिति स्थिर और सुखमय है, तो छात्राओं की शिक्षा के लिए अधिक संभावना होती है, पारिवारिक वातावरण छात्रों को सामाजिक समर्थन प्रदान कर सकता है, जैसे कि उन्हें अधिक लोगों के साथ पढ़ाई करने का मौका मिलता है और वे सामाजिक नेटवर्क बना सकते हैं, जो उनकी शैक्षिक उपलब्धियों को बढ़ावा देता है।

अध्ययन के निष्कर्ष

1. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।
2. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।

REFERENCES

Bronfenbrenner, U. (1979). The ecology of human development: Experiments by nature and design. Harvard University Press.

Bandura, A. (1986). Social foundations of thought and action: A social cognitive theory. Prentice Hall.

Coleman, J. S. (1966). Equality of educational opportunity (Coleman Report). U.S. Department of Education.

Epstein, J. L. (2001). School, family, and community partnerships: Preparing educators and improving schools. Routledge.

Havighurst, R. J. (1972). Developmental tasks and education. Longman.

Hill, N. E., & Tyson, D. F. (2009). Parental involvement in middle school: A meta-analytic assessment of the strategies that promote achievement. Developmental Psychology, 45(3), 740–763. https://doi.org/10.1037/a0015362

Jeynes, W. H. (2007). The relationship between parental involvement and urban secondary school student academic achievement: A meta-analysis. Urban Education, 42(1), 82–110. https://doi.org/10.1177/0042085906293818

Piaget, J. (1970). The science of education and the psychology of the child. Viking Press.

Singh, B., & Mishra, S. (2018). Impact of family environment on academic achievement of secondary school students: A study of Indian context. International Journal of Education and Research, 6(5), 15–22.

Vygotsky, L. S. (1978). Mind in society: The development of higher psychological processes. Harvard University Press.